सार-समाचार

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान वर्ग का आयोजन

बीकानेर(निसं)। भाजपा दंतौर मंडल में आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान वर्ग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति एवं आगामी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई । कार्यक्रम के मुख्य वक्ता देहात जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया ने अपने संबोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांत आज भी भारतीय राजनीति और समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिए समर्पण और निष्ठा के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने आगामी चुनावों को देखते हुए कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने का आव्हान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माणक तोषनीवाल ने की अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं के लिए ऊर्जा और दिशा प्रदान करने का माध्यम है। संगठन की रीति-नीति को समझकर उसे धरातल पर लागू करना ही सच्ची सेवा है।इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि मुखराम बीरडा, पूर्व मण्डल अध्यक्ष राजेंद्र साथोड, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुभाष सारस्वत, पूर्व मंडल अध्यक्ष भंवर दास स्वामी, पूर्व सरपंच राकेश चितलांगिया, मण्डल अध्यक्ष प्रतिनिधि महावीर सिंह तंवर, पूर्व मण्डल उपाध्यक्ष गोविंद राम पारीक, अनुसूचित जाति मोर्चा मण्डल अध्यक्ष भंवर लाल मेघवाल, बूथ अध्यक्ष माणिक चंद तोषनीवाल, भाजपा वरिष्ठ नेता शमू खान, गोपीराम घोडेला, श्रवण सारस्वत, डूंगर राम नायक, कानाराम, खुमान दान चारण एवं राजकुमार यादव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने एवं जनसेवा के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

साहित्योत्सव में बीकानेर के पांच साहित्यकार करेंगे शिरकत

बीकानेर (निसं)। संस्कृति मंत्रालयए भारत सरकार के अंतर्गत साहित्य अकादमी नई दिल्ली द्वारा ष्फेस्टिवल ऑफ लेटर्स का आयोजन 30 मार्च से 4 अप्रैल तक रवीन्द्र भवन नई दिल्ली में किया जाएगा। इस आयोजन में बीकानेर के पांच साहित्यकार विभिन्न सत्रों में भाग लेंगे। वरिष्ठ साहित्यकार मधु आचार्य आशावादी 30 मार्च को इन्द्रावती सभागार में मैं क्यों लिखता हूंश् विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में शामिल होंगे। डॉ ब्रज रतन जोशी 31 मार्च को कावेरी सभागार में ष्हवा में मर्मर ध्वनियांश् कार्यक्रम में हिंदी कविता पाठ करेंगे। डा नन्द किशोर आचार्य 2 अप्रैल को यमुना सभागार में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में साहित्य की भूमिका वंदे मातरम के 150 वर्ष विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में भाग लेंगे। साहित्यकार अमित गोस्वामी 2 अप्रैल को विचारोत्तेजक लालित्य कार्यक्रम में उर्दू कविता पाठ करेंगे। साहित्यकार संजय पुरोहित 4 अप्रैल को इन्द्रावती सभागार में आत्मा की आवाज कार्यक्रम में राजस्थानी भाषा में काव्य पाठ प्रस्तुत करेंगे।

सुरक्षा नहीं मिली तो नहीं खुलेंगी गैस एजेंसियां

बीकानेर,(निसं)। एलपीजी गैस एजेंसियों पर बढ़ती भीड़ और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों ने हालात चिंताजनक बना दिए हैं। लगातार प्रशासन को अवगत कराने के बावजूद समाधान नहीं मिलने से अब संचालकों ने सख्त कदम उठाने का निणन्य लिया है। बीकानेर एलपीजी एसोसिएशन की कार्यकारी बैठक आयोजित की गई, जिसमें एजेंसियों पर बढ़ती भीड़, अव्यवस्था और असामाजिक तत्वों के हस्तक्षेप को लेकर गंभीर चिंता जताई गई। बैठक में अध्यक्ष शांति प्रसाद शर्मा, सचिव विजय गोदारा, मुख्य सलाहकार लीलाधर श्रीमाली सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। एसोसिएशन ने बताया कि 24 और 28 मार्च को जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और डीएसओ को पत्र भेजकर समस्याओं से अवगत कराया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। एजेंसी संचालकों और स्टाफ की सुरक्षा को लेकर भी कोई व्यवस्था नहीं की गई। इसी के चलते एसोसिएशन ने निणन्य लिया है कि 30 मार्च, सोमवार को सुबह 10 बजे सभी वितरक गैस एजेंसी खोलने से पहले कलेक्टर और एसपी से मिलेंगे। जब तक सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर संतोषजनक समाधान नहीं मिलता, तब तक एजेंसियों का संचालन शुरू नहीं किया जाएगा। गैस एजेंसियों की मनमानी और सिलेंडरों की कालाबाजारी पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाया है। नए निर्देशों के तहत बीकानेर में अब गैस एजेंसियों, गोदामों और वितरण केंद्रों का रसद विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण किया जाएगा। ओवर प्राइसिंग या स्टॉक में गड़बड़ी मिलने पर संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उनके लाइसेंस निरस्त किए जाएं। बीकानेर में अब स्टॉक रजिस्टर और वास्तविक भंडारण का भौतिक मिलान अनिवार्य होगा। बार-बार नियम तोड़ने वाली एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा।

कचरा प्लांट लगाने के विरोध में लोगों का कलेक्ट्रेट पर विरोध-प्रदर्शन

श्रीगंगानगर,(निसं)। ग्राम पंचायत नेतेवाला में चक एक जी छोटी में प्रस्तावित ठोस कचरा प्रबंधन प्लांट के विरोध में शनिवार को इलाके के ग्रामीणों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। दरअसल ग्रामीणों को सूचना मिली थी कि प्रशासनिक अधिकारी प्रस्तावित स्थल का दौरा कर सकते हैं। इस पर सुबह ही अनेक ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। जैसे ही एक बाइक पर दो जने प्रस्तावित स्थल पर पहुंचे और फोटो लेने लगे तो ग्रामीणों उन्हें पकड़कर वापस लौटा दिया। इसके तुरंत बाद क्षेत्र से अनेक ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंच गए। जहां कलेक्ट्रेट मार्ग पर धरना लगाते हुए आवाजाही रोक दी। पुलिस ने सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हुए थे। इस दौरान पूर्व डायरेक्टर सुभाष देवर्थ, नेतराम सुथार, भरतवीर, रिछपाल दुगेसर, विनोद ताखर सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे। इस पर कलेक्टर डॉ. मंजू ने 10 सदस्यीय शिष्टमंडल को वार्ता के लिए बुलाया। इस दौरान विधायक जयदीप बिहाणी, एडीएम प्रशासन सुभाष कुमार, एसडीएम नयन गौतम, यूआईटी सचिव अशोक असीजा भी मौजूद रहे। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि अगर कचरा प्लांट यहां लगाया गया तो नहर का पानी भी दूषित हो सकता है, जिससे पूरे इलाके में बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ जाएगा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वे दूषित पानी पीने के लिए नहीं जन्मे हैं।

सामूहिक उत्तरदायित्व से परिभाषित हो रहा है राजस्थान : डॉ. चक्रवर्ती श्रीमाली

बीकानेर(निसं)। राष्ट्रभाषा हिंदी प्रचार समिति के संस्कृति भवन में 'शौर्य, स्वाभिमान और संस्कारों की धरतीरू राजस्थान' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित संभागियों को अपने व्याख्यान से जोड़ते हुए डॉ. चक्रवर्ती श्रीमाली ने वेद परम्परा, लुप्त नदी सरस्वती का स्मरण करते हुए राजस्थान की धरा पर अवतरित पन्नाधाय, मीरा, महाराणा प्रताप व बीकानेर के शासक कर्णसिंह को राजस्थान विकास के विभिन्न उपक्रमों में याद किया।

उन्होंने कहा कि आज का राजस्थान शौर्य को हथियारों से नहीं, बल्कि संकल्प, श्रम और सामूहिक उत्तरदायित्व से परिभाषित हो रहा है। इतिहास प्रसिद्ध राती घाटी युद्ध के रोचक किस्से भी इस अवसर पर साझा किये।

संस्था के मंत्री साहित्यकार रवि पुरोहित ने स्वागत उद्बोधन के साथ विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि आज का राजस्थान पर्यटन, हस्तशिल्प, स्टार्ट अप, शिक्षा और डिजिटल नवाचार में अग्रणी है, फिर भी अपनी जड़ों और समृद्ध सांस्कृतिक परम्पराओं से जुड़ा है। इस प्रकार राजस्थान दिवस इसी संतुलन का उत्सव है-जहां अतीत गौरव है, वर्तमान उत्तरदायित्व और भविष्य संभावना।

मुख्य अतिथि शिक्षाविद् मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. गौरव बिस्सा ने वीर प्रसूता धरा राजस्थान की गौरवमयी परम्परा को तथ्यों और तर्कों के साथ प्रस्तुत किया। बिस्सा ने कहा तेरह वर्षीय बालिका काली बाई, मां अमृता व सहल कंवर का बलिदान विश्व में एकमात्र उदाहरण में गिना जाता है।

ठीक इसी प्रकार गोविन्द गिरी के नेतृत्व में आयोजित सम्प सभा के दौरान हुए बलिदान कोई सानी नहीं। अपने उद्बोधन में डॉ. बिस्सा नेविचार, विश्वास व विवेक की त्रिवेणी राजस्थान को अनेक ऐतिहासिक प्रसंगों के माध्यम से व्याख्यायित किया। विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद् पुष्पा शर्मा ने वीर दुर्गादास, रानी पद्मिनी का उदाहरण देते हुए लोक कला व संस्कृति पर अपने विचार रखे। संस्थाध्यक्ष श्याम महर्षि ने राजस्थान के लोक व परम्परा की समृद्धि के साथ ऐतिहासिक व मिथकीय साहित्य के सन्दर्भों को प्रस्तुत किया।

साथ ही राजस्थान के लोक रंजन व लोक साहित्य में व्याप्त सांस्कृतिक वैभव व स्थापित परम्पराओं का उल्लेख किया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए शिक्षाविद् डॉ. कमल कोठारी ने राजस्थान की रंगत स्वरचित 40 दोहों के माध्यम से बखानी, जिसमें राजस्थान के एकीकरण, गौरवमयी इतिहास, कला व लोक संस्कृति का अनूठा चित्रण शामिल था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप मंत्र व मां शारदे की वन्दना से हुआ। समारोह का संचालन युवा कवयित्री भगवती पारीक 'मनु' ने और आभार ज्ञापन लेखिका सरोज शर्मा ने किया।

समारोह में डॉ. मदन सैनी, सत्यनारायण योगी, भंवर भोजक, सत्यदीप, श्रीभगवान सैनी, अनिल सोनी, रामचन्द्र राठी, राजेश सारस्वत, सुनील खांडल, नारायण शर्मा, विजय महर्षि, मुकेश सैनी, बालकिशन, राजीव श्रीवास्तव, बजरंग शर्मा, शुभकरण पारीक, सत्यनारायण स्वामी, रमाकांत झंवर, डॉ. मनीष सैनी, राजू शर्मा, महावीर सारस्वत सहित अनेक विद्वानों, शिक्षाविदें और साहित्यकारों के साथ आम जन ने सहभागिता निभाई।

डेयरी फार्मिंग प्रबंधन और उद्यमिता प्रशिक्षण सम्पन्न

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली की अनुसूचित उपयोजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के 30 विद्याथिर्यों हेतु तीन दिवसीय डेयरी फार्मिंग प्रबंधन और उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम रविवार को सम्पन्न हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि वेटरनरी महाविद्यालय, बीकानेर के अधिष्ठाता प्रो. बी.एन. श्रृंगी ने विद्याथिर्यों को डेयरी उद्यमी बनने हेतु प्रेरित किया। प्रो. श्रृंगी ने प्रशिक्षण के दौरान पशुपालन की वैज्ञानिक विधियों को सीखने और अपनाने हेतु भी प्रेरित किया। निदेशक प्रसार शिक्षा प्रो. राजेश कुमार धूड़िया ने बताया कि प्रसार शिक्षा निदेशालय के माध्यम से विद्याथिर्यों हेतु डेयरी फार्मिंग प्रबंधन और उद्यमिता के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बीकानेर स्थापना दिवस पर राव बीकाजी संस्थान करेगा पांच दिवसीय आयोजन

बीकानेर,(निसं)। राव बीकाजी संस्थान की ओर से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन किया जायेगा। इस संबंध में राव बीकाजी संस्थान के अध्यक्ष डॉ. गिरिजा शंकर शर्मा ने बताया कि इस वर्ष एन्टीक वस्तुओं की प्रदर्शनी, पारम्परिक लोक संगीत, विचार गोष्ठी व त्रिभाषा काव्य संगम तथा बीकाजी प्रतिमा पूजन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रमों के बारे में जानकारी देते हुए राव बीकाजी संस्थान के महामंत्री श्री विद्यासागर आचार्य ने बताया कि इस वर्ष पारम्परिक स्थानों के साथ ही कार्यक्रमों का आयोजन नवीन स्थलों पर भी किया जायेगा।कार्यक्रमों के आयोजन को अंतिम रूप देने के लिये राव बीकाजी संस्थान के पदाधिकारियों व सदस्यों की बैठक कोषाध्यक्ष रामलाल सोलंकी की अध्यक्षता में हिंदी विश्वभारती अनुसंधान परिषद् कक्ष में रविवार को सम्पन्न हुई। बैठक में लिये गये निणन्यों की जानकारी देते हुए समन्वयक अभिषेक आचार्य ने बताया कि कार्यक्रमों का शुभारंभ 15 अप्रेल को महारानी सुदर्शन कला दीर्घा में रामकिशन सोनी के एंटीक संग्रह की प्रदर्शनी के साथ होगा। प्रदर्शनी प्रभारी श्री अज़ीज़ भुट्टा तथा सह प्रभारी डॉ. मो.फारूख चौहान को नियुक्त किया गया। 16 अप्रेल को महिला मण्डल विद्यालय के ऐतिहासिक हॉल में पारम्परिक एवं लोक गीतों की प्रस्तुति होगी। इस कार्यक्रम के प्रभारी प्रेम नारायण व्यास एवं सह प्रभारी आत्माराम भाटी व वसीम होंगे। 17 अप्रेल को त्रिभाषा काव्य संगम का आयोजन चौपाटी में होगा जिसमें हिंदी, उर्दू एवं राजस्थानी के रचनाकार अपनी रचनाओं की प्रस्तुति देंगे।

धर्म यात्रा को लेकर सीएलजी बैठक

महाजन,(निसं)। थाने में हिन्दू नववर्ष पर आयोजित होने वाली धर्म यात्रा को लेकर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीएलजी (कम्युनिटी लाइजन ग्रुप) की बैठक हुई। इसमें थानाधिकारी भजनलाल, यात्रा आयोजन समिति के सदस्य और क्षेत्र के गणमान्य लोग शामिल हुए। बैठक में धर्म यात्रा के रूट पर विस्तार से चर्चा की गई। पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार यात्रा का मार्ग आंशिक रूप से छोटा रखा गया है महाजन उप तहसील के नायब तहसीलदार सुंदरपाल गोदारा ने यात्रा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया।

वृद्धजन भ्रमण पथ पर स्वच्छता अभियान चलाया

बीकानेर(निसं)। शहर के वृद्धजन भ्रमण पथ स्थित उद्यान क्षेत्र में आज ऑवर फोर नेशन टीम द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। पिछले सप्ताह प्रारम्भ किए गए अभियान के शेष कार्य को आज पूर्ण करते हुए उद्यान से प्लास्टिक , कचरा एवं अन्य अवांछित सामग्री एकत्र कर ट्रॉली में भरकर डंपिंग यार्ड भेजा गया।

लगातार चल रहे इन प्रयासों के कारण उद्यान क्षेत्र में स्वच्छता और सुव्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है। स्थानीय नागरिकों द्वारा भी इन अभियानों की सराहना की जा रही है और धीरे-धीरे यह स्थान नियमित रूप से स्वच्छ एवं उपयोगी सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित हो रहा है। पिछले कई सप्ताहों से ऑवर फोर नेशन टीम इस क्षेत्र में नियमित रूप से स्वच्छता अभियान चला रही है। प्रत्येक रविवार को स्वयंसेवक एकत्र होकर सफाई, कचरा निष्पादन तथा जनजागरूकता का कार्य कर रहे हैं, जिससे नागरिकों में भी स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना बढ़ी है। आज अभियान में सुशील यादव, भवानी सिंह राजपुरोहित, पुरुषोत्तम शर्मा सहित अन्य स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

आरजीएचएस कैशलेस सिस्टम पर संकट

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) का कैशलेस मॉडल अब मरीजों के लिए राहत नहीं, बल्कि परेशानी का कारण बनता जा रहा है। भुगतान अटकने, अनावश्यक पूछताछ और सिस्टम की खामियों ने दवा दुकानदारों और मरीजों दोनों को संकट में डाल दिया है।

हालात यह हैं कि बीकानेर में करीब 150 करोड़ रुपए बकाया होने से कई दुकानदारों ने नए आरजीएचएस मरीजों को दवाइयां देना बंद कर दिया है। शहर में करीब 105 दवा दुकानों में से अधिकांश ने आरजीएसएस दवाइयां उपलब्ध हैं के बोर्ड तक हटा दिए हैं। उनका कहना है कि थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर (टीपीए) पूछताछ से अटक रहा हैं भुगतान। बीकानेर में ही करीब 150 करोड़ और राजस्थान में 1800 करोड़ रुपए का भुगतान अटका हुआ है। दवा दुकानदारों के साथ-साथ निजी अस्पताल संचालक भी शामिल हैं। दूसरी ओर, मरीजों की परेशानी बढ़ती जा रही है। आरजीएचएस के तहत कैशलेस दवा लेने वाले मरीज अब दर-दर भटकने को मजबूर हैं। हालात ऐसे हैं कि कई मरीज अब पीबीएम हॉस्पिटल की ओपीडी में पचिन्यां कटवाने लगे हैं। आंकड़ों के अनुसार 25 मार्च को 213, 26 मार्च को 112, 27 मार्च को 212 और 28 मार्च को दोपहर तक 278 आरजीएचएस पचिन्यां कटीं। आरजीएचएस योजना का उद्देश्य भले ही मरीजों को राहत देना हो, लेकिन मौजूदा हालात में यह व्यवस्था सवालों के घेरे में है। जब तक भुगतान, जिम्मेदारी और सिस्टम की खामियों को दूर नहीं किया जाएगा, तब तक यह योजना मरीजों और स्वास्थ्य सेवाओं दोनों के लिए चुनौती बनी रहेगी। प्रादेशिक दवा विक्रेता समिति, राजस्थान, के पदाधिकारियों ने दावा किया कि बीकानेर में मात्र 25 प्रतिशत मरीजों को ही आरजीएचएस का लाभ मिल रहा है, शेष मरीज या तो भटक रहे हैं, या उन्हें मजबूरी में नकद भुगतान कर दवाइयों की खरीद करनी पड़ रही है।

सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा की पहल

बीकानेर,(निसं)। महिलाओं के स्वास्थ्य कोलेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठायागया है। सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिएजिलेभर में एचपीवी टीकाकरण अभियान तेज़ी से चलाया जा रहाहै। 25 अस्पतालों मेंविशेष शिविर लगाकर बालिकाओंको सुरक्षा कवच प्रदान किया गया,जिससे भविष्य में इस घातकबीमारी के खतरे को कम किया जासके। जिले में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के उद्देश्य से एचपीवी(ह्यूमन पेपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान के तहत विशेष शिविरों का आयोजन कियागया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुखराज साध नेबताया कि जिले के सभीसामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, उपजिला अस्पतालों, जिला अस्पतालऔर पीबीएम अस्पताल में यह अभियान संचालित किया गया। पीबीएम अस्पताल के पीडियाट्रिक विभाग में टीकाकरण के लिए अलगकक्ष स्थापित किया गया। जहां सुबहसे ही बालिकाओं की भीड़ देखने को मिली। इस दौरान एसपीमेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ.सुरेंद्र कुमार वर्मा, अतिरिक्त प्राचार्यडॉ. रेखा आचार्य, अधीक्षक डॉ.बीसी घीया सहित कई वरिष्ठअधिकारी मौजूद रहे। डॉ. सुरेंद्र वर्माने अभिभावकों से अपील की कि वेअपनी बेटियों का समय परटीकाकरण कराएं, ताकि उन्हेंभविष्य में सर्वाइकल कैंसर जैसीगंभीर बीमारी से बचाया जा सके।डॉ. बीसी घीया ने बताया कि यहकैंसर गर्भाशय के मुख पर होता हैऔर एचपीवी टीका इसके प्रभावीबचाव का माध्यम है। डॉ. रेखाआचार्य ने बताया कि पीबीएम के बच्चा अस्पताल में प्रतिदिन टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध रहेगी। बालिकाएं सीधे अस्पतालआकर या यू-विन ऐप के माध्यम सेपंजीकरण कर टीका लगवा सकतीहैं। जस्सूसर गेट स्थित एसडीएम जिला अस्पताल में भी अधीक्षक डॉ. सुनील हर्ष के निर्देशन मेंशिविर आयोजित हुआ, जहां बड़ीसंख्या में बालिकाओं ने टीकाकरणकरवाया। आरसीएचओ डॉ. भवानीशंकर गहलोत के अनुसार, 14 से15 वर्ष की आयु की बालिकाएं,जिन्होंने 14वां जन्मदिन पूरा करलिया है या 15वें जन्मदिन के 90दिन के भीतर हैं, इस टीकाकरण केलिए पात्र हैं।

गुरु भरोसा संस्था ने गुमशुदा युवक को परिजनों से मिलवाया

सूरतगढ़, (निसं)। यहा किशनपुरा आबादी स्थित गुरु भरोसा सेवा संस्था ने मानव सेवा का एक और सराहनीय उदाहरण पेश करते हुए रविवार को एक गुमशुदा युवक को उसके परिजनों से मिलवाया। संस्था के सेवादार सिकंदर सिंह, कृष्ण चौधरी और धनवीर सिंह हुंदल ने बताया कि 14 मार्च को राजकीय रेलवे पुलिस चौकी सूरतगढ़ की सूचना पर एक गुमशुदा युवक को संस्था में लाया गया था। संस्था की टीम ने युवक से बातचीत करने का प्रयास किया, लेकिन वह काफी डरा हुआ था। सेवादारों ने उसकी देखभाल करते हुए उसे अपनेपन का अहसास कराया और लगातार पूछताछ जारी रखी। कुछ समय बाद युवक ने अपना नाम आदित्यराज निवासी पटना (बिहार) बताया।भावुक होकर युवक ने बताया कि करीब 15 दिन पहले वह पटना से दिल्ली अपने ननिहाल जा रहा था। यात्रा के दौरान ट्रेन में मिले दो व्यक्तियों ने उसे अच्छे वेतन की नौकरी का झांसा दिया और दिल्ली पहुंचने के बाद अपने घर ले गए।

'स्कूलों को केवल शिक्षण स्थल नहीं बल्कि संस्कार तीर्थ के रूप में विकसित करें'

बीकानेर (निसं)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान विद्यालय शिक्षा की जिला कार्यकारिणी , प्रदेश पदाधिकारी,खंड अध्यक्ष मंत्री की सयुक्त बैठक प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवि आचार्य के मुख्य आतिथ्य में रविवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जेलवेल बीकानेर में विभिन्न सत्रों संगठन परिचय, सदस्यता अभियान,प्रवासी कार्यकर्ता एव प्रवास योजना, शैक्षिक समस्या, खंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्य योजना पर चर्चा के साथ संपन्न हुई।

संगठन के अतिरिक्त जिला मंत्री मोहम्मद फैसल ने बताया कि मंडल सयुक्त मंत्री विनोद पुनिया, प्रदेश सयुक्त मंत्री सुरेश व्यास का बैठक में सान्निध्य रहा।ङ ङजिलाध्यक्ष मोहनलाल भादूङ ने बताया कि राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय 2026 से पूरे भारत में एक ही नाम अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) के नाम से कार्य करेगा।

प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवि आचार्य ने कहा कि विद्यालयों को केवल शिक्षण स्थल नहीं बल्कि संस्कार तीर्थ के रूप में विकसित करते हुए शिक्षक विद्याथिर्यों में नैतिकता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना जागृत करने

का आव्हान किया।आचार्य ने प्रत्येक खण्ड पर संगठन की रचना को प्रभावी बनाने,संगठन को शसक्त बनाए जाने के साथ व्यक्तिगत पहचान से ऊपर संगठन प्रतिष्ठा को सर्वोपरि रखने का आव्हान पदाधिकारियों से किया। मंडल सयुक्त मंत्री विनोद पुनिया ने कहा कि पदाधिकारी अपनी आंतरिक शक्ति को जागृत कर प्रत्येक शिक्षक तक सदस्यता के माध्यम से पहुंच बनाने के साथ उनकी समस्याओं के निराकरण में भागीदार बने। प्रदेश सयुक्त मंत्री सुरेश व्यासङ ने कहा कि पदाधिकारी निरन्तर अपने संगठन दायित्वों एव कार्यों का मूल्यांकन करते हुए संगठन यात्रा में सहभागिता निभाए तो विस्तार होगा।

महिला मंत्री श्रीमती चन्द्रकला भादानी ने संगठन की विभिन्न इकाइयों-विद्यालय, संकुल, खंड, जिला, विभाग, संभाग, प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर-की संरचना का विवरण देते हुए बताया कि संगठन आज राष्ट्रीय स्तर पर 13 लाख 60 हजार से अधिक सदस्यों के साथ सशक्त रूप में कार्य कर रहा है। उन्होंने आगामी सदस्यता अभियान (15 से 25 अप्रैल), खंड स्तरीय प्रशिक्षण, प्रधानाचार्य संवाद, समरसता दिवस एवं प्रकोष्ठ कार्यशालाओं की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भागीदारी का आव्हान किया। साथ ही सोशल मीडिया पर सक्रियता बढ़ाने पर भी जोर दिया

जिला अध्यक्ष मोहन भादू ने बताया कि ङशिक्षक समस्याओं में शिक्षकों की सत्र 26-27 के लिए शिक्षकों के ग्रीष्मावकाश की अवधि में कटौती के विचाराधीन प्रस्ताव का अनुमोदन नहीं करने, तृतीय श्रेणी सहित समस्त संवर्ग की बकाया डीपीसी तत्काल करवाने, तृतीय श्रेणी शारीरिक शिक्षक,सामाजिक ज्ञान, वाणिज्य, कला, प्रयोगशाला सहायक, पुस्तकालयाध्यक्ष को सेवाकाल में न्यूनतम 1 पदोन्नति हेतु पदनाम परिवर्तन कर पदोन्नति प्रक्रिया प्रारंभ करने, तृतीय श्रेणी सहित समस्त संवर्ग के स्थानांतरण करने,क्रमोन्नत विद्यालयों में पदों का आवंटन करने,बकाया पदस्थापन करने, अध्यापक पात्रता परीक्षा के संबंध में पुनर्विचार याचिका दायर कर राहत दिलाने, राजकीय विद्यालयों में रिक्त पदों को भरने, स्टाफिंग पैटर्न शीघ्र लागू करते हुए प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों में सवा लाख से अधिक पदों को स्वीकृत करने और सेवारत शिक्षकों के इंटर्नशिप अवधि के वेतन वसूली नहीं,पद आवंटन की वित्तीय स्वीकृति अभाव में अन्य स्थान से वेतन आहरण की स्थिति में मकान किराया वसूली आदेश वापिस लेने आदि मांगों पर चर्चा हुई। बैठक में मोहम्मद फैसल,सुरेश खेसवानी, विकास पंवार, चंद्रकला आचार्य, बबीता वर्मा,मीरा वर्मा, बहादुरसिंह, पूनम गोदारा, महावीर धतरवाल, अलसीराम विश्नोई, राजेंद्र व्यास, दीपक उप्रेती, प्रदीप यादव अशोक अग्रवाल, श्रीचंद कैलाशदान, जगदीश मंडा,मोहन लाल आदि ने भी अपने विचार रखे।